ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-२८
दिनांक- मंगलवार, १३ अप्रैल, २०२१

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 36.4 एवं 19.7 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 84 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 45 प्रतिशत, हवा की औसत गति 8.0 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 3.4 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 8.4 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 24.2 एवं दोपहर में 34.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(14–18 अप्रैल 2021)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 14–18 अप्रैल, 2021 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में बादल छाये रह सकते है। १६–१८ अप्रैल के बीच उत्तर बिहार के अनेक स्थानों पर हल्की वर्षा या बुंदा–बुंदी हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 36–40 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 23–25 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 50 से 60 प्रतिशत तथा दोपहर में 30 से 40 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 10 से 16 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पुरवा हवा चलने की सम्भावना है। बेगुसराई, समस्तीपुर, वैशाली, सारण, सिवान तथा मुजफ्फरपुर में १६ अप्रैल को पछिया हवा चल सकती है।

• समसामयिक सुझाव

- १६–१८ अप्रैल के बीच उत्तर बिहार के अनेक स्थानों पर हल्की वर्षा या बुंदा–बुंदी की संभावना को देखते हुए कृषक भाई को गेहुँ एवं अरहर की तैयार फसलो की कटनी–दौनी में सावधानी बरतने की आवष्यकता है। खड़ी फसलों में कीटनाषकों का छिड़काव मौसम साफ रहने पर करें।
- रबी फसल की कटाई के बाद खाली खेतों की गहरी जुताई कर खेत को खुला छोड़ दें ताकि सुर्य की तेज धुप मिट्टी में छिपे कीट के अण्डे, प्युपा, रोग के जीवाणु एवं खरपतवार के बीजों को नष्ट कर दें।
- गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की फसल में आवष्यकतानुसार निकाई–गुड़ाई एवं सिंचाई करें। सब्जियों में कीट एवं रोग–व्याधि की निगरानी प्राथमिकता से करते रहें। कीट का प्रकोप इन फसलों में दिखने पर मैलाथियान 50 ई0सी0 या डाइमेथोएट 30 ई0सी0 दवा का 1 मि0 ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव मौसम साफ रहने पर करें।
- बसंतकालीन मक्का की फसल जो घुटने की ऊचाई के बराबर हो गयी हो, मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें एवं आवष्यक नमी हेतु सिंचाई करें। कीट–व्याधियों से फसल की बराबर निगरानी करते रहें।
- टमाटर की फसल को फल छेदक कीट से बचाव हेतु खेतों में पक्षी बसेरा लगायें। कीट से ग्रसित फलो को इकठा कर नष्ट कर दें, यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड 48 इ0सी0/1 मि0ली0 प्रति 4 ली0 पानी की दर से छिड़काव मौसम साफ रहने पर करे।
- गरमा मूंग तथा उरद की बुआई अविलंब संपन्न करें। खेत की जुताई में 20 किलो ग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम स्फूर, 20 किलोग्राम पोटाष तथा 20 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। मूंग के लिए पूसा विषाल, सम्राट, एस0एम0एल0–668, एच0यू0एम0–16 एवं सोना तथा उरद के लिए पंत उरद–19, पंत उरद–31, नवीन एवं उत्तरा किस्में बुआई के लिए अनुषंसित हैं। बुआई के दो दिन पूर्व बीज को कार्बेन्डाजीम 2.5 ग्राम प्रति किलो ग्राम की दर से शोधित करें। बुआई के ठीक पहले शोधित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करें। बीजदर छोटे दानों के प्रभेदों हेतु 20–25 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बड़े दानों के प्रभेदों हेतु 30–35 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई की दूरी 30X10 से0मी0 रखें।
- भिण्डी की फसल में लीफ हॉपर कीट की निगरानी करे। यह कीट दिखने में सुक्ष्म होता है। इसके नवजात एवं व्यस्क दोनो पत्तियों पर चिपककर रस चुसते है। पत्तियाँ पीली तथा पौधे कमजोर हो जाते है, जिससे फलन प्रभावित होती है। इसका प्रकोप दिखाई देने पर इमिडाक्लोप्रिड 0.5 मी0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव मौसम साफ रहने पर ही करें।
- ओल की रोपाई करें। रोपाई के लिए गजेन्द्र किस्म अनुषंसित है। प्रत्येक 0.5 किलोग्राम के कन्द की रोपनी के लिए दूरी 75ग75 से0 मी0 रखें। 0.5 किलोग्राम से कम वजन की कंद की रोपाई नहीं करे। वीज दर 80 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से रखें। बुआई से पूर्व प्रति गड्ढ़ा 3 किलोग्राम सड़ी हुई गोबर, 20 ग्राम अमोनियम सल्फेट या 10 ग्राम युरिया, 37.5 ग्राम सिंगल सुपर फास्फेट एवं 16 ग्राम पोटेषियम सल्फेट का व्यवहार करे। ओल की कटे कन्द को ट्राइकोर्डमा भिरीडी दवा के 5.0 ग्राम प्रति लीटर गोबर के घोल में मिलाकर 20–25 मिनट तक डुबोकर रखने के बाद कन्द को निकालकर छाया में 10–15 मिनट तक सुखने दें उसके बाद उपचारित कन्द को लगायें ताकि मिट्टी जनित बीमारी लगने की संभावना को रोका जा सके तथा अच्छी उपज प्राप्त हो सके।
- गर्मीयो में दुधारू पषुओं को सुखा चारा की मात्रा कम दें और दाना की मात्रा बढ़ा दें। दाना में तिलहन अनाज का प्रयोग करें। चारा दाना प्रातः 5:00 बजे और शाम में धुप खत्म होने के बाद ही दें। साफ एवं ठंढ़ा पानी पुरे समय दें। प्रत्येक व्यस्क पषुओं को 50 ग्रम खनीज–विटामिन मिश्रण एवं 50 ग्रम नमक दें।

आज का अधिकतम तापमानः 37.8 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.0 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 19.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.3 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी